Dated 02/05/2020 | B.ed 2nd year 2018-2020 | 1:15 P.M - 2:00 PM

Teaching of Home Science

सिलाई →

कपड़ा, चमड़ा, फर, छाल या किसी अन्य लचीली वस्तु को आपस में सुई एवम धागों की सहायता से बांधना सिलाई कहलाता है

घरेलू सिलाई →

घरेलू सिलाई अधिकतर मरम्मत, रफू, कपड़ों का ठीक करना तथा बच्चों के कपड़ों से संबंधित होती है। इसके लिए उचित साधन उचित कपड़े और उचित तरीके का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है

उचित साधन →

① सिलाई के आवश्यक साधनों में सर्वप्रथम सुई का स्थान आता है सुइयाँ कई प्रकार की होती है कुछ मोटी, कुछ बारीक, इनको नंबरों द्वारा विभाजित किया गया है। जितने अधिक नंबर की सुई होगी उतनी ही बारीक होगी। मोटे कपड़े के लिए मोटी सुई का प्रयोग होता है और बारीक कपड़े के लिए पतली सुई का। मोटे कपड़े को बारीक सुई से सीने से सुई टूटने का डर रहता है तथा मोटी सुई से बारीक कपड़े को सीने से कपड़े में मोटे मोटे छेद हो जाते हैं। जो बड़े भद्दे लगते हैं। अधिकतर पाँच नंबर से आठ नंबर तक की सुई का प्रयोग होता है।

② साधन में दूसरा स्थान धागे का है धागा कपड़े के रंग से मिलता हुआ होना चाहिए तथा कपड़े के हिसाब से मोटा या बारीक भी होना चाहिए। वैसे अधिकतर सिलाई के 40 और 50 नंबर के धागे का ही प्रयोग किया जाता है

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(3) तीसरा साधन कैंची का है कैंची न तो बहुत छोटी और न बड़ी उसकी धार तेज होनी चाहिए। जिससे कपड़ा सफाई से कट सके।

(4) चौथा स्थान इंची टेप का होता है जो कपड़ा नापने के काम मे आता है। सीधी लाइनों के लिए यदि स्केल भी पास हो तो बहुत अच्छा होता है। सिलाई के लिए अब अधिकतर मशीन का प्रयोग होता है। इससे सिलाई बहुत शीघ्र हो जाती है। सिलाई के लिए अंगुस्तान की भी आवश्यकता होती है इससे उंगलियाँ मे सुई नहीं चुभने पाती।

सिलाई का ढंग →

सिलाई करते समय हाथ से कपड़े को ठीक पकड़ना तथा सुई को ठीक स्थान पर रखना अत्यंत आवश्यक है। सिलाई करते समय आप दाहिने हाथ से बाएं हाथ की ओर जाते हैं। कसीदे मे इसके विपरीत बाएं हाथ से दाएं की ओर जाया जाता है।

सिलाई की तुरपन तीन प्रकार की होती है धागा भरना, तुरपन, और बखिया करना।

धागा भरना →

इसमे कपड़े को ठीक से पकड़ना अत्यंत आवश्यक है। यदि कपड़ा ठीक नहीं पकड़ा गया तो धागा भरने मे काफी समय लग जाता है आप दोनों हाथों से कपड़ा पकड़ दाएं हाथ के अंगूठे और प्रथम उंगली के बीच सुई रख, दाएं से बाएं ओर चलाते हैं। यह कपड़ो को जोड़ने के काम मे लाया जाता है।

तुरपन →

यह किनारे या सिलाई को मोड़कर सीने के काम आती है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

बखिया →

यह भी दो कपड़े को जोड़ने के काम मे लाया जाता है। पर यह तुरपन धागा भरने से अधिक मजबूत होती है। इसका उधेड़ना अत्यंत कठिन होता है। इस तुरपन मे पहले सुई को पिछले छेद मे डालकर दो स्थान आगे निकाला जाता है और इस प्रकार बखिया आगे बढ़ता जाता है।

सिलाई के प्रकार →

सिलाई के उपरोक्त तीन प्रकार होते हैं। इनके अतिरिक्त गोट लगाना, दो कपड़ो को जोड़ने के विभिन्न तरीके, रफू करना, काज बनाना, एवम बटन टाँकना इत्यादि सिलाई के अंतर्गत आते है।

गोट लगाना →

गोट लगाने के लिये कपड़े को तिरछा काटना अत्यंत आवश्यक है। गोट दो प्रकार से लगाते है। एक तो दो कपड़ो के बीच से बाहर निकलती है। दूसरी एक कपड़े के किनारे पर उसको सुन्दर बनाने के लिए लगाते है। प्रथम प्रकार की अधिकतर रजाइयों इत्यादि मे यह जहाँ दोहरा कपड़ा हो वहीं लग सकती है। गोट को दोहरा मोड़कर दो कपड़ो के बीच रखकर सी दिया जाता है। दूसरे प्रकार की गोट लगाने के लिये पहले कपड़े पर गोट धागा भरकर टाँक दी जाती है। इसमे गोट को खींचकर तथा कपड़े को ढीला रखना होता है। फिर दूसरी ओर मोड़कर तुरपन कर दी जाती है।

दो कपड़ों को जोड़ने के लिये विभिन्न प्रकार की सिलाइयों का प्रयोग होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

रफू करना →

रफू के लिए जहाँ तक संभव हो धागा, उसी कपड़े में से निकालना चाहिए। तथा कपड़े के धागों के सूत के अनुसार सुई को चलाना चाहिए। इस प्रकार सीधे फटे में सीधी सीधी सिलाई की जाती है। पर यदि कपड़ा तिरछा फटा होतो आड़ा सीधा दोनों ओर सीना होता है।

पैबंद लगाना →

जहाँ पर आपको पैबंद लगाना हो वहाँ फटे स्थान से बड़ा एक अन्य चौकोर कपड़ा काटकर उसको फटे स्थान पर तुरपन से टाँक दीजिए। इसके पश्चात उलटकर फटे स्थान को चौकोर काटकर किनारे मोड़कर तुरपन कर दीजिए।

काज बनाना →

आवश्यकता के अनुसार काज काटकर काज के दोनों ओर धागा भरकर काज की तुरपन से बींध देते हैं। बटन का जोर जिस ओर पड़ता है उसके दूसरी ओर से काज प्रारंभ कर पुनः वहीं सिलाई समाप्त की जाती है। इस प्रकार यदि खड़ा काज है तो आरंभ नीचे किया जाता है, पर पड़े काज को किनारे के दूसरी ओर से आरंभ करते हैं।

बटन टाँकना →

बटन में सदैव दो या अधिक छेद बने होते हैं। इन छेदों में से सुई निकाल कर बटन को कपड़े पर सी देते हैं।

HARVESH CHANDRA
ASSISTANT PROFESSOR
02/05/2020.

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner